भगवत रावत की कविता

दुख के बाहर-भीतर

घर के बाहर के सारे दुख
घुस आये घर के अंदर तक
घर के अंदर के सारे दुख
फैल गए घर के बाहर तक

भीतर–बाहर के सारे दुख
इतने सारे...
इतने सारे...
जिसे सुनायें
वही सुनाने लगता है पहले
अपना दुख

सब तरफ दुख
यह नगरी दुख की
सुख की चर्चा तक
कोई करता नहीं
अजब दौड़ है
अपने–अपने दुख दिखलाने में
हर एक दूसरे से
आगे निकल रहा है

लेकिन जिनके पास
दुखी होने–दिखने के
सुख–साधन हैं
उनके दुख तो
छपते भी हैं
बिकते भी हैं
दिखते भी हैं

कैसे–कैसे लोग पड़े हैं अब भी
जिन्हें आज तक यह भी पता नहीं
कि आज की इस दुनिया में
दुख के चेहरे
कितने बदल गये हैं
तरह–तरह के
घर बैठे के
नये–नये दुख उग आये हैं
और अभी वे
जूझ रहे हैं
अपने वही पुराने
बस दो चार दुखों से

बेहतर हो
दुख के इस प्रसंग में
ऐसे लोगों की
चर्चा ही नहीं करें हम

दुख की अनमोल घड़ी में
आओ बैठ कर थोड़ी देर
दुख की प्रासंगिकता पर
बहस करें।

बिजली कर्मचारियों की मिलीभगत से हो रही है बिजली चोरी

पलवल (म.मो.) जहां एक तरफ सरकार बिजली उत्पादन वितरण के खर्चों में बढ़ोत्तरी के नाम पर बिजली दरें बढ़ाने की बात करती है वहीं बिजली विभाग के कर्मचारी व अधिकारी चोरी करवा रहे हैं। कहने को तो विभाग ने भारी लाइन लॉस वाले इलाकों में मीटर बदलवाकर घरों के बाहर लगवा दिए लेकिन इन्हीं मीटरों से भी इसके मीटर रीडर अपने अधिकारियों से मिलीभगत से चोरी करवाते हैं।

हालांकि चोरी उन स्थानों पर भी करवाई जाती है जहां मीटर घरों के अंदर लगे हैं लेकिन घर के बाहर लगे मीटरों से भी चोरी करवाने का तरीका एक दम सीधा है। मीटर रीडर पहचान कर लेते हैं जो ऐसा करना चाहते हैं, फिर मीटर रीडर ऐसे उपभोक्ताओं के मीटरों से रीडिंग लेते समय काफी यानि सैंकड़ों यूनिटों को कम करके रीडिंग लेते रहते हैं। इस प्रकार यह सिलसिला कई महीने चलता रहता है। जब ये यूनिटें हजारों पहुंच जाती है तो मीटर रीडर मीटर खराब करने की तरकीब बता देते हैं तथा उपभोक्ता से एक शिकायत मीटर खराब होने की लिखवाकर उसे एसडीओ से जेई के नाम जांच करके रिपोर्ट देने हेतु आगे करवा लेते हैं। इसके बाद जो कर्मचारी इस जांच का हिस्सा होते हैं। वे सभी जेई तक हिस्सा लेकर मीटर खराब दिखाकर नया मीटर लगवा देते हैं तथा हजारों रुपए की यूनिटों को छोड़ने की एवज में सौदा कर लेते हैं। इस प्रकार हर माह लाखों रुपए का चूना इसके कर्मचारी व अधिकार चोर उपभोक्ताओं से बिजली विभाग को लगाते रहते हैं। ऐसा नहीं है कि ऐसी चोरी की जानकारी उच्च स्तर पर नहीं बल्कि इसके लिए कई बार विजिलैंस जांच भी हो चुकी है लेकिन स्थानीय सत्ताधारी राजनैतिक आकांओं के वरदहस्त के चलते सभी दागी अधिकारी कर्मचारी बेखौफ अपना धंधा जारी रखे हैं।

बिजली अधिकारियों की कलाकारी

पलवल (म.मो.) पलवल में बिजली अधिकारी पलवल के आसपास राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ–साथ नई वितरण लाइनें लगवाने में अति उत्साह से लगे हुए हैं। बावजूद इसके कि अगले कुछ माह बाद ही लाइनें यहां से उखाड़ी जानी निश्चित है। इसके पीछे एक सोची समझी चाल काम कर रही है। फरीदाबाद से लेकर होड़ल बॉर्डर तक बिजली वितरण लाइनें दिल्ली, मथुरा रोड़ के बिल्कुल साथ–साथ खड़ी की जा रही हैं उनकी कोशिश है कि यह कार्य शीघ्र पूरा हो जाए ताकि ठेकेदार को भुगतान हो सके अब यदि ठेकेदार को भुगतान हो जाएगा तो अधिकारियों को भी कुछ मिल जाएगा। दिल्ली–आगरा के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग–2 को सिक्स लेने बनाने का कार्य शुरू होने वाला है।

राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों तरफ जमीन अधिग्रहण करने हेतु अधिसूचना भी जारी कर दी है। जब राजमार्ग सिक्स लेन का होने जा रहा है तो सड़क के एक दम साथ खड़ी की जा रही लाइनें तो सबसे पहले हटाई जानी निश्चित हैं। इस बात को एक साधारण बुद्धि वाला व्यक्ति भी जानता है लेकिन हजारों रुपए मासिक वेतन लेने वाले बिजली अधिकारी की बुद्धि इतनी नहीं है कि वे इन लाइनों को सड़क से काफी दूर खड़ी करवाएं। लेकिन उनका शातिर दिमाग जानता है कि उनका कमीशन अब भी मिलेगा तथा दूसरी बार फिर मिलेगा जब लाइनें उखाड़कर दूसरी जगह लगाई जाएंगी। अब बिजली विभाग का खर्चा हो तो हो आखिर जाएगा तो उपभोक्ता की जेब से।

पेज 1 का शेष भाग

नालायक रिश्वतखोर एसएचओ अभी भी है कायम

लेकिन पूछने वाले तो पहले ही बिके हुए हैं। उक्त रकम लेकर व रपट लिख कर एसएचओ ने दोनों पक्षों के बीच, जैसा फ़र्जी मुकदमा था वैसा ही फ़र्जी समझौता भी करा दिया। लेकिन पूजा को जब लूट की रकम से वाजिब हिस्सा नहीं मिला तो उसने टेलिफोन पर राजकुमार को पुन: धमकाना शुरू कर दिया। इससे तंग होकर राजकुमार ने उच्चाधिकारियों से शिकायत कर दी कि उससे मोटी रकम वसूलने के बावजूद उसे परेशान किया जा रहा है। रिश्वत की पोल खुलते ही एसएचओ ने अपनी संवैधानिक शक्ति का खुला दुरुपयोग करते हुए 15 अप्रैल 2010 को यानी कि घटना के 70 दिन बाद राजकुमार के विरुद्ध बलात्कार का मुकदमा दर्ज कर दिया।

पाठक ध्यान देंगे कि जिस घटना एवं अपराध को यही एसएचओ 4.2.10 को रपट रोजनामचे में संज्ञेय अपराध नहीं बता रहा था, उसी को अब संज्ञेय अपराध बना कर मुकदमा दर्ज कर दिया। और तो और इलाके के एसीपी ने भी घटना की तसदीक करके इस अनहुई वारदात की सत्यता पर अपनी मुहर लगा दी। यहां गौरतलब बात यह है कि एसएचओ की नालायकी एवं रिश्वतखोरी की बात उजागर होने पर वह बदले की भावना से राजकुमार के खिलाफ़ सक्रिय हो गया, लेकिन चंडीगढ़ तक के उच्चाधिकारी धृतराष्ट्र बने बैठे हैं। नीचे से ऊपर तक उच्चाधिकारियों की पूरी बारात में से किसी ने भी इस बात की जरूरत नहीं समझी कि एसएचओ व उसके ऊपर बैठे अफ़सरों से पूछ तो ले कि आखिर यह हो क्या रहा है? यहां एक और खास बात यह है कि राजकुमार व उसका भाई चंडीगढ़ जा कर हरियाणा पुलिस के प्रमुख रंजीव सिंह दलाल से भी मिले, जिन्होंने तुरंत सीपी से फ़ोन पर बात की तथा मामले में शीघ्र उचित कार्यवाही करने के 'सख्त' निर्देश दिये। लेकिन लगता नहीं कि दलाल के निर्देशों की यहां कोई परवाह करता है।

इस मामले में सीपी से पूछे जाने पर उन्होंने इस संवाददाता को बताया कि राजकुमार के पूजा के साथ थाना एनआईटी में रपट रोजनामचा दर्ज कराने से बहुत पहले के अवैध संबंध चले आ रहे हैं जिसके बारे में राजकुमार ने पूजा के पति को भी बता दिया जिससे उसने पूजा को छोड़ दिया। जब उनहें बताया गया कि पूजा ने इस तरह के किसी भी संबंध का आरोप न तो 2.2.10 को लगाया है और न इससे पूर्व थाना सेंट्रल में 29.1.10 को व 25.1.10 को चौकी सेक्टर–16 में दायर अपनी शिकायतों में लगाया है तो आप किस आधार पर यह आरोप लगा रहे हैं? जवाब में उन्होंने कहा कि तारीखों आदि का उन्हें ज्ञान नहीं है। उन्होंने सारे मामले की जांच अब सीआईए से लेकर एनआईटी जोन के डीसीपी को सौंप दी है, जिनकी निगरानी में एक विशेष जांच टीम काम करेगी।

जाहिर है, यह जांच टीम अपने नालायक एसएचओ को बचाने व बेगुनाह राजकुमार को फंसाने के लिए पूरा ज़ोर लगा देगी। इस अवस्था में जब पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी अंधे व बहरे हो गये हों तो हाई कोर्ट से नीचे किसी को इस मामले की सुनवाई करने का अधिकार नहीं है और हाई कोर्ट इतना महंगा है कि वहां तक जाना हरेक के बस का नहीं। इसलिए पुलिसिया दादगिरी तब तक चलती ही रहेगी जब तक प्रताड़ित जनता इसके विरुद्ध संगठित होकर खड़ी न हो जाये।

फर्राटेदार अंग्रेज़ी बोलेंगी सेक्स वर्कर्स

एक अख़बार की ख़बर के अनुसार कॉमनवेल्थ गेम्स के चलते भारत में सेक्स वर्कर्स अपने खरीदारों से सौदेबाजी करने के लिए अंग्रेज़ी बोलने की ट्रेनिंग ले रही हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि उनको अंग्रेज़ी सिखाने के काम में मीडिया के कुछ लोग और स्वयंसेवी संस्थायें शामिल हैं। जिस देश की स्वयंसेवी संस्थायें महिला उद्धारक मुखौटा पहन कर महिलाओं को वेश्यावृत्ति की ट्रेनिंग देने लगें तो क्या इन संस्थाओं के चरित्र पर सवालिया निशान नहीं लग जाता?

सेक्स वर्कर्स को गोलबंद करके इस धंधे के खिलाफ आंदोलन छेड़ने और और इनके लिए सम्मानजनक रोज़गार के अवसरों की मांग करने की जगह ये वेश्यावृत्ति की ट्रेनिंग दे कर इस घिनौने धंधे को ही आगे बढ़ाना अपना दायित्व समझते हैं और यही इनकी समाज सेवा है।

मज़दूर मोर्चा

पाक्षिक समाचार पत्र

फरीदाबाद के पाठकों के लिए मजदूर मोर्चा अब हॉकरों के माध्यम से उपलब्ध है। जो भी हॉकर आपके यहां अखबार देने आता है, वह मांगने पर मज़दूर मोर्चा अवश्य देगा। डाक से अखबार पहुंचे या नहीं, इसका कोई ठिकाना न होने के कारण हमने यह नई व्यवस्था की है। अखबार मिलने में किसी तरह की समस्या होने पर हमारे प्रसार प्रबंधक से निम्न मोबाइल नंबर पर संपर्क करें :

दीक्षित न्यूज एजेंसी 9811159238

अब बल्लभगढ़ व पलवल के पाठक भी अपने हॉकर से मजदूर मोर्चा प्राप्त कर सकते हैं। किसी कठिनाई की स्थिति में संपर्क करें :

भूटानी न्यूज़ एजेंसी

मीनार गेट, पलवल। मोब.: 09354112741, 09728382049